ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 29-09-2020

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2020-09-29 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2020-09-30	2020-10-01	2020-10-02	2020-10-03	2020-10-04
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	36.0	37.0	37.0	37.0	37.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	26.0	26.0	26.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	57	59	58	60	61
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	25	22	25	26	25
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	14.0	17.0	17.0	14.0	13.0
पवन दिशा (डिग्री)	250	250	250	230	250
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	1	1	1	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में वर्षा नहीं होने की सम्भावना ।

सामान्य सलाहकार:

जहॉ खरीफ की फसले परिपक्व अवस्था में हों वहॉ फसल की कटाई कर खेत खाली करें व सरक्षित नमी में सरसों व चने की बुवाई हेतु खेतों की तैयारी करें। रबी फसलों की तैयारी के लिए खेत की जुताई करने के तुरंत बाद पाटा अवश्य लगाएं ताकि मिट्टी से नमी का ह्रास न हो।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों तक मौसम साफ रहने की सम्भावना है। खरीफ फसलों की कटाई व थ्रैसिंग का कार्य पूरा करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
बाजरा	बाजरा की फसल पकाव अवस्था की और अग्रसर है अतः उचित पकाव अवस्था पर कटाई कर सुरक्षित स्थान पर रखें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	बारानी चने की बुवाई के लिए उन्नत किस्मों के बीज व खाद की व्यवस्था करें। सी-235, आर.एस.जी-44, आर.एस.जी-888, आर.एस.जी-896, जी.एन.जी-1488, आर.एस.जी-974, जी.एन.जी-1958 व जी.एन.जी-663, चने की बुवाई हेतु 80-100 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर के लिए पर्याप्त रहता है।
गरारी	हरे चारे के लिए रिजका की आन्नद-2, एल.एल.सी-3, टाईप-9 व सिरसा-8 रिजका की उन्नत किस्मों की बुवाई करें।
गाजर	गाजर की उन्नत किस्में पूसा रुधिरा, पूसा वृष्टि, पूसा केसर, पूसा मेघाली, सुपर रैड व स्लैक्सन-21 की बुवाई करें। बुवाई हेतु 5-8 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर के लिए प्रयाप्त है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	बदलते मौसम में पशुओं में खुरपका-मुंहपका रोग के फैलने की संभावना रहती है। रोग के लक्षण दिखाई देने पर पशुचिकित्सक से सम्पर्क करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	सौफ की बुवाई के लिए खेत तैयार करें तथा आर.एफ-125, आर.एफ-143, आर.एफ-101 उन्नत किस्मों की बुवाई करें। बीज दर 8-10 किलो प्रति हैक्टेयर रखें। 30 किलो नत्रजन व 40 किलो फास्फोरस प्रति हैक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय दें।
सामान्य सलाह	तारामीरा की आर.एम.टी-314 किस्म की बुवाई करें। बुवाई के समय 30 किलो नत्रजन व 15 किलो फास्फोरस प्रति हैक्टेयर की दर से दें। प्रति हैक्टेयर के लिए 5 किलो बीज उप्युक्त है तथा 2.5 ग्राम मैन्कोजेब से प्रति किलो बीज को उपचारित करें। दीमक की रोकथाम के लिए अन्तिम जुताई के समय क्युनालफास 1.5 प्रतिशत प्रति हैक्टेयर में डालें।
भूमि की तैयारी	रबी फसलों की बुवाई से पूर्व खेत में 8-10 टन गोबर की खाद प्रति हैक्टेयर में डालें जो मृदा के भौतिक व जैविक गुणों को बडाती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता भी बडती है।
सामान्य सलाह	खरीफ फसलों की कटाई के बाद खेत की मेड़ो व रास्तों से खरपतवारों को साफ करें।